विद्या भवन सोसायटी

खोज ख़बर

जुलाई – दिसम्बर, 2013

President's Message to General Council of Vidya Bhawan Society

Dear Members,

The first AGM of Vidya Bhawan Society under the new Constitution, as approved by you in the SGM dated 26th May, 2013, was successfully held on 17th November, 2013. I express my sincere appreciation to those who attended the meeting and also to all those members who participated in electing the new Executive Committee members under this Constitution. I would also like to thank those who made valuable suggestions and critical remarks for all of us to ponder upon. Their questions and criticism provides an occasion to introspect and to redouble efforts to approximate the vision of Vidya Bhawan; the idea that quality education should be accessible to all sections of society and that it should be value based. The areas that we need to look at and consider so as to improve on, emerge from such questions. The role of Vidya Bhawan in contemporary times remains as before to serve all sections of society and not just the middle class.

It may have appeared from my opening remarks that I am satisfied with the state of affairs of Vidya Bhawan, but we are constantly striving to improve. We are acutely aware of how much more we need to do to make Vidya Bhawan fulfill its promise to serve society evermore effectively. The potential has been enlarged greatly after the Government withdrew it's grant-in-aid in 2011. I also want to put on record my gratitude to colleagues and well-wishers of Vidya Bhawan who not only saw the institutions through a grave financial crisis when Government stopped grant-in-aid and about 150 staff members had to leave within a short span of time. Thanks are also due to all those who have worked hard over the last two decades to add new dimensions to the work of Vidya Bhawan and also build nationwide reputation for excellence in education capacity building.

I feel, discussing these issues will help Vidya Bhawan do what is right. I am sure the churning that was created by the election will help Vidya Bhawan to achieve its objective in a more effective manner. It has been a long standing value of Vidya Bhawan that it is not winning that matters but the striving to do one's best for society. I would also like to point out that public bodies function with faith and trust. The efforts to generate confusions through distortions and rumours are something that we have all to guard against and nip in the bud. We need to collectively work towards making Vidya Bhawan stronger and stop those who are willing to put the future of Vidya Bhawan on stake for short-term personal egos and small stakes.

We need to be open and share our genuine concern about Vidya Bhawan and put our concern to the best use for the organisation.

With best wishes,

Riaz Tehsin

21 जुलाई को विद्या भवन के 82वें स्थापना दिवस पर रंगारंग प्रस्तुतियां देती छात्राएं।

National Workshop on Urbanization and Citizenship

Polytechnic participated actively in organizing a two day National workshop on 'Urbanization and Citizenship with special reference to Town Planning'. It was held in August. Honourable Minister for Urban Housing and Poverty Alleviation Girija Vyas was the chief guest of the inaugural function of the workshop. Mayor Rajni Dangi, MLA Gulab Chand Kataria and experts from all over the country deliberated on various issues related to the subject.

सम्पादकीय.....

1931 में आरम्भ विद्या भवन संस्था एक विशाल वट वृक्ष का रूप ले चुकी है। विद्या भवन सोसायटी के अन्तर्गत आज बारह संस्थाएं अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। विभिन्न संस्थाओं में हो रहे कार्यों, विकास, नवाचारों, अनुसंधान प्रवृतियों, प्रशिक्षण व प्रमुख कार्यक्रमों आदि से अवगत कराने हेतु विद्या भवन **'खोज खबर'** न्यूजलेटर का प्रकाशन पुनः आरम्भ किया जा रहा है।

यह न्यूजलेटर मुख्य रूप से विद्या भवन सोसायटी के बोर्ड ऑफ कंट्रोल, कार्यकारिणी व साधारण सभा के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को संस्थान के बारे में अवगत कराने का एक माध्यम होगा।

न्यूजलेटर में न्यूज के अतिरिक्त भावी योजनाओं की जानकारी, शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण व अन्य संबंधित विषयों पर आलेख, संस्मरण/ अनुभव, नए विचार एवं सुझाव प्रकाशित किए जा सकेंगे।

विद्या भवन की वार्षिक रिपोर्ट प्रति वर्ष प्रकाशित होती है। जिसमें वर्षभर का विवरण होता है, किन्तु संबंधित व्यक्तियों को नियमित रूप से अधिक जानकारी मिल सके इस दृष्टि से यह न्यूज लेटर त्रैमासिक होगा। प्रारम्भिक अंक में गत छः माह अवधि को समेटने का प्रयास किया गया है। आशा है विद्या भवन परिवार के सदस्यों एवं विभिन्न संस्थाओं को इसके माध्यम से अधिक निकटता का आभास होगा और यह संवाद का एक अच्छा माध्यम बन सकेगा। साथ ही आपसी समझ, सहकार और सहयोग से संस्था को आगे बढ़ाने में यह सहायक होगा। इसी आशा के साथ नव वर्ष हेतु मंगल कामनाएं.

सलाहकार	:	हृदय कांत
संपादक	:	वि.वि. सिंह गिरीश शर्मा
ले–आउट	:	एस. एम. इकराम

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएं

शैक्षणिक संवाद को बढ़ाने के उद्देश्य से विद्या भवन विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों के माध्यम से प्रयासरत है। दो त्रैमासिक पत्रिकाओं ''खोजें और जानें'' तथा ''शिक्षा की बुनियाद'' के प्रकाशन के अतिरिक्त एक द्विवार्षिक प्रकाशन "Journal of Language and Language Teaching" एवं एक एम.एच.आर. डी. का प्रकाशन "Voices of Teachers & Teacher Educators" सम्मिलित हैं। साथ ही समय–समय पर होने वाले राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार एवं संगोष्ठियों में होने वाली चर्चाओं पर आधारित प्रकाशन भी इसमें सम्मिलित हैं। पिछले कुछ वर्षों में "National Conference on School Libraries & Reading", WATIS 10th Partners forum : "Ecology & Education", "Some Landmarks in the History of Ideas", आदि प्रकाशन छापे जा चुके हैं। दो मोनोग्राफ्स "Flattening Diversity : Educational Planning in India" एवं Proceeding document on International Seminar on Cognition & Learning" जल्द ही प्रकाशित किए जाएंगे।

The Pearls of Vidya Bhawan

C. Rajgopalachari has very aptly said that "It is the joyous faces of the children that speak about the health of the school". In a maddening race of being score achievers the children have lost the most treasured phase of their life. In other words, they have lost the true essence of childhood and have matured when they should be actually doing things from their heart and not what is expected of them.

But when I look at my students in V.B.P.S. I find them very natural and spontaneous in their words & actions. They may not be parrots exhibiting their learning capacities but are ever open learners. And this is all what makes them so special.

I take great pride in saying that most of the achievers in scholastic & non-scholastic areas in V.B.P.S. are the students who have studies in V.B. since their childhood. In doing so they are still firmly grounded.

As part of V.B. fraternity we should collectively strive to improve the childhood of the children and ensure that they are as special and as unique as a Pearl in the Oyster.

Neerja Jain

विद्या भवन सी. सै. स्कूल

^LoPN ,o lijf{kr* vfHk;ku

'स्वच्छ एवं सुरक्षित' अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए पुराने शौचालयों का पुनर्निर्माण किया गया। इनकी संख्या भी बढ़ाई गई है। विद्यार्थियों के साथ कर्मचारियों को भी स्वच्छ एवं शीतल पेयजल मिल सके इसके लिए पानी घर का पुनरुद्धार कर आर.ओ. एवं वाटर कूलर लगवाया गया।

^o".ko tu rk ru dfg,* xiuxuk;k

विद्यार्थी गांधी जी के जीवन को समझें और उनकी सीख को जीवन में उतारे इसको ध्यान में रखते हुए गांधी जी का जन्म दिवस 'गांधी सप्ताह' के रूप में मनाया। विद्यार्थियों ने गांधी जी की प्रिय प्रार्थना 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' सीखी तथा गांधी जी से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। प्रार्थना–सभाओं में विद्यार्थियों ने गांधी जी के प्रेरक प्रसंग सुनाए।

ii"dj ?kkVh ei yxk ou'kkyk f'kfoj

इस वर्ष विद्यालय की वनशाला दो समूहों में पुष्कर गई। यहां विद्यार्थियों ने कक्षा–कक्ष से बाहर प्रकृति के सान्निध्य में अपने साथियों एवं शिक्षकों के साथ जीवन्त अनुभव प्राप्त किए। छात्रों ने सामुदायिक जीवन, प्रकृति प्रेम एवं स्वावलंबन, आपस में सहयोग, साहस के पाठ सीखे। आसपास के वातावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों का कैम्प जाट विश्राम स्थली तथा कक्षा 9 से 11 का स्काउट कैम्प स्थल पुष्कर घाटी में लगा।

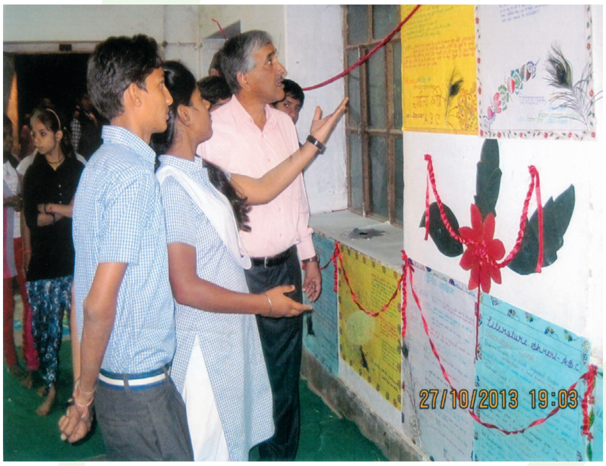

ug: di gkdh ei fd;k deky

अण्डर 15 में नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में जिला स्तर पर विद्यालय की टीम विजेता रही। विद्यालय की टीम ने राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व भी किया। अण्डर 17 जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम विजेता रही एवं 5 खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ। अण्डर 14 हॉकी में विद्यालय टीम तृतीय स्थान पर रही एवं राज्य स्तर पर 3 खिलाड़ियों का चयन हुआ। जिला स्तरीय अण्डर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता में भी विद्यालय का एक खिलाड़ी राज्य स्तर पर चुना गया।

nhid u thrh lkbfdy

'पर्यावरण संरक्षण' संदेश रैली में विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्र दीपक सिंह को लक्की ड्रॉ में साइकिल प्राप्त हुई।

tfu;j fMfotu ei ,u-lh-lh- dMV1 v0oy

स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालय के आठ एन.सी.सी. कैडेट्स जिला मुख्यालय परेड में जूनियर डिविजन में प्रथम एवं समारोह में द्वितीय रहे। नवम्बर में 7 कैडेट्स सी.ए.सी.टी. अजमेर द्वारा आयोजित 2500 मीटर में दौड़े जहां विद्यालय के गजेन्द्र खराड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

'kkyk dk ckn iLrdky;] dI;Vj o [ky

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान मे रखते हुए कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दृष्टि से विद्यालय में नौ, दस व ग्यारह के विद्यार्थियों के लिए गणित व अंग्रेजी विषय की सपोर्ट क्लासेज प्रारम्भ की गईं। बच्चे अन्य पुस्तकें, समाचार पत्र आदि पढ़ सकें, ज्ञानार्जन कर सकें इसके लिए तीन घंटें पुस्तकालय व कंप्यूटर लैब को संचालित किया जा रहा है। यही नहीं शाम को खेल मैदान में खेल उपकरण मय प्रशिक्षक के खेल की सुविधा भी है। ये सभी गतिविधियां विद्यालय समय के बाद संचालित की जा रही हैं।

tfu;j ei igph ^,d o nk^

इस सत्र से कक्षा एक व दो को नर्सरी से जूनियर विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह निर्णय बच्चों के आयुवर्ग को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

vfHkHkkod fnol jg dN [kkl

नर्सरी विभाग में गत छह माह में तीन बार अभिभावक दिवस एवं सप्ताह आयोजित किए गए। इसमें अभिभावको के लिए

'चेयर–रेस', विद्या भवन के दर्शन की जानकारी व खुली चर्चा में उनके अनुभवों एवं सुझावों पर चर्चा की गई तथा विद्यार्थियों के प्रथम मूल्यांकन का विश्लेषण किया गया।

lq/kjxh lS.M&fiV dh n'kk

इस वर्ष नर्सरी स्कूल में 'पानीघर' एवं 'शौचालयों के रिनोवेशन का कार्य प्रस्तावित है। सैण्ड–पिट एवं खेल के उपकरणों में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत की जा रही है। चूंकि नर्सरी विभाग स्पेशल–नर्सरी बन गया है अतः यहां नए टीचिंग ऐड्स, एज्यूकेशनल टॉयस एवं उपकरणों को बढ़ाया है।

^ekW.Vsljh Ms* euk;k

नर्सरी स्कूल का मुख्य आकर्षण 'मॉण्टेसरी डे' हर्षोल्लास से मनाया गया। मैडम मॉण्टेसरी की शिक्षा प्रणाली पर कुछ हद तक आधारित इस नर्सरी में इस दिन बच्चों के लिए कठपुतली का प्रदर्शन रखा गया। इसी प्रकार 'चाचा नेहरू' के जन्मदिवस पर 'विचित्र वेशभूषा' का कार्यक्रम रखा गया।

V.B. Sr. Sec. School, Ramgiri

New principal in Ramgiri

The school reopened on the 1st July after the summer break. During this break, the staff visited many villages to make personal contacts and also made presentations in Ramgiri and Chikalwas in trying to get them acquainted with the school. With the new session, School welcomed the new principal Ms. Madhulika Kothari, new teachers and new students and also introduced them to the parents in a meeting with them.

Third position in the district championship

School girl's volleyball team (under 17) made us proud by winning the district championship for the third consecutive year. The under 19 girls team and the under 19 boys team also played well and both were placed at third position. Six girls Renu, Pushpa, Sonal, Sunita, Lochan and Kiran were selected to play in the state team at Bundi and Madan Dangi was selected in the boy's team to play at Hanumangarh.

Support classes and Bal Sabha

The focus for the year is strong academics with first batch of class 12 taking the board examination this year and school working towards all round development also. The primary section has assessments at regular intervals to keep track of their progress. Classes are in full swing and support classes for class 10 have also begun. A new feature introduced is the Bal Sabha for classes 1-5. The sabha is conducted by the children themselves under majestic bargad tree and opportunity is given to all students to speak, recite and act. One such sabha was on Sachin Tendulkar where students and teachers shared interesting facts and then made collages which were put up in their classes. Coordination and interaction with Gandhian College is on a regular basis. Faculty development programmes are also held regularly at VBERC for all teachers.

Formation of Shala Panchayat

In July itself, Ramgiri School formed the school shala panchayat in a purely democratic manner. Nominations for the posts were invited, symbols were allotted, ballot papers were made, canvassing allowed in addition to the speeches. All the students of class 6-12 got a feel of the process as they cast their vote. In addition, the candidates had to go through a vigorous interview with the teachers before the final results were declared. Kailash Dangi and Lokeshwari Ranawat of class 12 were voted as President and Prime minister respectively. After the oath taking ceremony, the members enjoyed a camp at Kukreshwar Mahadev.

Blood donation camp

Teacher's day and children's day were made special for everyone with a lot of fun games and activities. Competitions were held at regular intervals. Founders day was celebrated with everyone at Prakriti Sadhna Kendra. Janamashtami and Gandhi Jayanti were celebrated with Gandhian College. On the occasion, children depicted various incidents from Gandhiji's life. A blood donation camp was organised where children were apprised of the importance of donating blood and our teachers also donated blood voluntarily.

Formation of School Management Committee

The school Management Committee with 11 parent members was formed in August. School Staff meet them every month to review, suggest and plan. To apprise the parents of the various activities in the school, school started a monthly newsletter which highlights the various activities in the school. It is sent to every parent every month.

V.B. Public School

Parents support for Play ground

It was very touching to see how three of school teachers volunteered to guide and take the teams for cricket (Hukmichand Nagda), Volleyball (Lalit Purbia) and badminton (Akhilesh Singh Chouhan) district level tournaments. The teams came out victorious not in terms of medals and trophies but their enthusiasm to

participate. It was quite evident that it was not the spark that was missing in them but the necessary facilities and opportunities provided to them. For this development of the playground is already in the pipeline and with the support of some parents of students who have volunteered to help coach the students, school plan to start evening games for them.

Quiz Clubs organized for logical thinking

To promote general awareness and logical thinking in the students, Quiz Clubs have been organized. These clubs will prepare students for various Olympiads and Quiz Competitions. In the month of Sept. students participated in various Quiz Competitions organized by Vodafone, Intach and the Forest Department. In the Vodafone Faster, Smarter and Better Quiz Competition students were among the best five of the thirty schools that participated.

Diversity of our country

Project 'Know my India' which helps the children to understand and appreciate the diversity of our country, held in school. They study and exhibit the historical, geographical, cultural, economic, environmental aspects of the states assigned to each class. The exhibition cum performance was held in Aug.

Support classes started

School started Support Classes for Students of Classes VI-X and Personality Development Classes for students of Classes I-V. This would be open for Public school students and for students coming from other schools as well. This will not only generate income for the institution but also expose the parents of children coming from other schools about the kind of work done here and what Vidya Bhawan stands for. This will be a good way of reaching out to the masses and build the strength of the school.

In Future…!

Swings are what every child craves for. To see that they live their childhood, very soon swings shall be installed in the school premises.

विद्या भवन रूरल इन्स्टीट्यूट

xkeh.k fodkl ,o foLrkj ic/ku ij u;k dkl

महाविद्यालय में अध्ययन के तुरंत बाद विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर मिल सकें इस उद्देश्य से संस्थान ने ''ग्रामीण विकास एवं विस्तार प्रबंधन'' पर 6 मास का सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किया है। कोर्स में स्वयंसेवी संस्थाओं के द्वारा विद्यार्थियों को फील्ड ट्रेनिंग दी जाएगी। इस कोर्स से विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ने की भी उम्मीद है।

0;k[;ku ,o jk"Vh; lehukj

पाठ्यक्रम के अतिरिक्त फील्ड और आधुनिक ट्रेंड की जानकारी के साथ ही विषय–विशेषज्ञों से अन्तःक्रिया के अवसर मिलें इसके लिए संस्थान के विभिन्न विभागों की ओर से 7 से अधिक व्याख्यान आयोजित किए गए। संस्थान की ओर से दिसम्बर में विज्ञान विभाग, जनवरी 2014 में बी.बी.एम. तथा फरवरी में कला विभाग की ओर से यू.जी.सी. प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार होंगे।

fjlp xkbM fu;Dr

मनोज राजगुरू, अनिता जैन एवं सुषमा जैन को सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने रिसर्च गाइड नियुक्त किया है। अब ये अपने विषय से सबंधित शोध कार्य के लिए शोधार्थियों को मार्गदर्शन दे सकेंगे। इधर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा बनाई एक लघु शोध परियोजना तथा सेमीनार के आयोजन को भी स्वीकृति दी है।

DokVj Qkbuy edkcyk thrk

अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिता में संस्था की क्रिकेट टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीता। बैडमिण्टन टीम ने दो मैच जीते।

V.B. Polytechnic College

The classes of II and III year began from July, while the classes of I Year started from September. The result of II Year, III Year and Polymer Science & Rubber Technology were extraordinary. The students of PS&RT secured all India First and Third position in the merit of DIRI; and III position in PGDIRI Examinations.

New Short Term Courses

A short term course for Polytechnic teachers of Rajasthan on 'Climate Change, Disaster Management and Sustainable Development' was organized at Polytechnic by National Institute of Technical Teachers' Training & Research, Chandigarh in September.

Similarly, two week course on Rural Development for the students of EM Normandie Management School was organized. The students understood, evaluated and analyzed the development which was brought by the Community Development through Polytechnic Scheme. Again a short term course was conducted by NITTTR, Chandigarh on Quality Management System/ Quality Tools. Mr. Rahul Raj from Quality Council of India was the key speaker. Another course was held on 'Curriculum Implementation' in November, organizing agency being the same.

Teacher's and Engineers' Day

A play "Maa Mujhe Tagore Bana De" was staged by the versatile actor Lucky Gupta on Teachers Day and an essay and speech competition on 'Frugal Engineering Interventions to Strengthen Indian Economy & Improving Quality of Life' was held on Engineers' Day.

विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

u;k l= % 180 ch-,M-] 40 ,e-,M- Nk=k dk izos'k

जिले के अधिकांश बीएड कॉलेजों में जहां प्रवेश पूर्ण नहीं हुए हैं वहीं महाविद्यालय में बी.एड. के 180 एवं एम.एड. के 40 विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ नया सत्र प्रारंभ हुआ। पहला उत्सव स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर सोसायटी अध्यक्ष रियाज तहसीन एवं पूर्व विदेश सचिव जगत मेहता उपस्थित थे।

izk- of'k"B us dh fo|k Hkou ds iz;kxk ij ppk

देश के जाने माने शिक्षाविद् एवं एनसीटीई के पूर्व सदस्य, लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के डीन प्रो. उमेश वशिष्ठ ने "गांधी के सपनों का विश्वविद्यालय" विषय पर दो दिवसीय वार्ता दी। उन्होंने शिक्षक शिक्षा के अपने अनुभवों की चर्चा की और विभिन्न पुस्तकों का हवाला देते हुए उन्हें संकाय सदस्यों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उन्होंने विद्या भवन के अनूठे प्रयोगों के अनुभव भी सुनें तथा विद्या भवन में क्या संभावनाएं तलाशी जा सकती है, इस पर चर्चा की।

vkbZ,,lbZ dh lEHkkouk,a rykf'kh

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डा. अमरजीत सिंह ने महाविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों का अवलोकन एवं फैकल्टी सदस्यों से बातचीत कर यहां आईएएसई बनने की संभावनाएं जताई। इस संबंध में डा. सिंह की मांग पर एक प्रपोजल एमएचआरडी को भेजा गया है।

jelk dk ekWM;wy cuk;k

विद्या भवन सीटीई में कार्यशाला आयोजित कर राज्य स्तरीय विज्ञान प्रशिक्षण का मॉड्यूल तैयार किया गया। यह जिम्मेदारी एक विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की ओर से सौंपी गई थी। लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक में सामाजिक विज्ञान विषय का मॉड्यूल तैयार किया जिसमें संकाय सदस्यों ने भाग लिया। मॉड्यूल निर्माण दल संदर्भ व्यक्तियों को प्रशिक्षण भी देगा।

,lvkbbZvkjVh dk vdknfed lg;ksx

राज्य स्तरीय शैक्षिक संस्था एसआईईआरटी द्वारा डीएड पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला में महाविद्यालय प्राध्यापकों ने अकादमिक सहयोग दिया। इन्होंने पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशालाओं में भाग लिया। संकाय सदस्यों ने उच्च प्राथमिक स्तर की भूगोल विषय की पाठ्यपुस्तक निर्माण में भी सहयोग किया। संस्थान के प्राध्यापकों ने रायपुर, छत्तीसगढ़ एससीईआरटी में आयोजित पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशालाओं में भाग लिया एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

jkpd jgk idfr lk/kuk dsUnz dk vuHko

दक्षिण राजस्थान के माध्यमिक स्तर के 45 अध्यापकों ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर जैव विविधता का अवलोकन

किया तथा खाद्य श्रृंखला समझी। वे यहां विद्या भवन सीटीई में आयोजित पर्यावरण अध्ययन एवं शिक्षण कार्यशाला में आए थे। यह पहला मौका था जब अध्यापकों को बाहर ले जाया गया। यह उनके लिए एक रोचक अनुभव रहा। इससे पूर्व अध्यापकों को खाद्य श्रृंखला पर एक डॉक्यूमेंट्री 'द क्वीन ऑफ ट्री' दिखाई गई। विभिन्न विषयों पर आधारित 12 प्रशिक्षणों में 120 अध्यापकों ने भाग लिया।

f'k{kdk] fo|kfFk;k dk {kerk lo)u

संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की अकादमिक क्षमतावर्द्धन के उद्देश्य से सेवा प्रसार विभाग ने चार व्याख्यान आयाजित किए। भारतीय प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रो. देवी सिंह ने शिक्षा में प्रबंधन विषय पर कहा कि हमें छात्रों को इस तरह तैयार करना होगा कि वे अपनी प्रतिक्रियाएं देने मे सक्षम हो सकें। एनसीईआरटी के पूर्व सलाहकार प्रो. ओंकार सिंह देवल ने बदलते वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में आईसीटी के प्रभावपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रत्येक विषय में आईसीटी को जोड़ने का आह्वान किया। वन विभाग के रेंजर दलपत सिंह राजपुरोहित ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से संबंधित प्रेक्षण करवाए।

विद्या भवन गाँधी शिक्षा संस्थान

flrcj jgk dN [kkl

हिन्दी दिवस पर निबन्ध, आवेदन पत्र तथा परिचर्चा कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक ए.एस. जोधा ने दयाल चन्द्र सोनी स्मृति उपवन में उपयोगी पौधे लगाने हेतु मार्गदर्शन दिया। पूर्व छात्र परिषद् की बैठक में संविधान एवं संभावित कार्यक्रमों संबंधी निर्णय लिये गए। थैलिसिमिया से ग्रसित बालकों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लोकमित्र ब्लड बैंक के निदेशक महेन्द्र श्रीमाली का व्याख्यान हुआ। उन्होंने रक्तदान से संबंधित धारणाओं पर छात्राध्यापकों के साथ चर्चा की तथा रक्तदान के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर में स्टाफ एवं छात्राध्यापकों ने 21 यूनिट रक्तदान किया।

^Tky lj{k.k^ ij iksLVj ifr;kfxrk

जल संरक्षण पर 1 अक्टूबर को पोस्टर प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में जिले के 21 बी.एड. कॉलेजों ने भाग लिया। निर्णायक सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हेमन्त द्विवेदी एवम् चांदपोल आर्ट गैलेरी की निदेशक शर्मिला राठौड़ ने बताया कि पोस्टर ऐसे हों जो समझने योग्य हों। प्रतियोगिता में प्रथम अरावली टीचर्स कॉलेज की रचना करतान, द्वितीय लोकमान्य तिलक कॉलेज डबोक की कोमल अरोड़ा तथा ऐश्वर्या कॉलेज की सोनू ढलोड़ तृतीय रही।

Xkk/kh t;rh eukbZ

गांधी शान्ति प्रतिष्ठान के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गांधी–शास्त्री जयन्ती उत्सव के रूप में मनाई गई। अध्यक्षता सोसायटी के अध्यक्ष रियाज तहसीन ने की। विद्या भवन रूरल इन्स्टीट्यूट के पूर्व निदेशक किशोर सन्त ने व्याख्यान दिया। पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Ekrnku ifØ;k le>h

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने मतदान प्रक्रिया पर व्याख्यान दिया। नारा, पोस्टर तथा निबन्ध प्रतियोगिता हुई तथा छात्राध्यापकों ने बड़गाँव चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर स्थानीय नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

विद्या भवन कला संस्थान (बी.एस.टी.सी.)

xfrfof/k vk/kkfjr f'k{k.k ;kstuk

डाइट, उदयपुर की बैठक में लिए गए निर्णय की अनुपालना में 'गतिविधि आधारित शिक्षण योजना'' प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में आठ महाविद्यालयों तथा डाइट के 2–2 विद्यार्थियों ने कहानी, कठपुतली, अभिनय, मॉडल एवं गतिविधियों युक्त पाठ योजना का प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान अरावली एस.टी.सी. कॉलेज की छात्राध्यापिका दिव्यांशु भाटी, द्वितीय लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्राध्यापक गणेशलाल सुथार तथा तृतीय स्थान ऐश्वर्या एस.टी.सी. कॉलेज की छात्राध्यापिका सोनिया पुरी ने प्राप्त किया।

f'k{k.k vf/kxe lkexh fuekZ.k dk;Z'kkyk

आज के वैश्विक उदारवादी एवं निजीकरण के युग में, जहां शिक्षण में नवाचार और प्रभावी शिक्षण पर बल दिया जा रहा है, वहां शिक्षण अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) द्वारा रचनात्मकता, सूक्ष्मताओं, सृजनात्मकता तथा मानसिक योग्यता को बढ़ावा देने की जरूरत है। इस संदर्भ में महाविद्यालय के

छात्राध्यापकों के लिए सितम्बर में छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

dyk] ukVd ij dk;Z'kkyk

विद्यार्थी अपनी क्षमताओं के प्रति सजग हो सकें, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कला एवं नाटक पर तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में 52 विद्यार्थियों को अपने अनुभव रखने के मौके मिले।

V.B. Education Resource Centre

VBERC and TESS MOU

The MOU between VBERC and TESS Open University (UK) signed in July for working on quality material for teachers use in the classroom, across the entire subject domain. The MOU also look forward for partnership in monitoring and evaluation.

Textbook for Andhra Pradesh

VBERC and SCERT (A.P) are together writing Mathematics and Science class-10 textbooks for Andhra Pradesh government schools. This partnership is in continuation of relationship between VBERC and SCERT, A.P.

Capacity building of library educators

VBERC and Sir Ratan Tata Trust are collaborating for a "Capacity Building Programme for Library Educators". The purpose of the course is to develop deeper theoretical and practical understanding about the role of children's literature in learning and development of children as well as developing knowledge and skills for running vibrant classroom /school /community based libraries. It is taking the shape of a Certificate Course consisting of short intensive face to face workshops (contact mode) interspersed with guided work at participant's own field sites (distance mode) spread over six months. The course was launched in September. There are 31 participants in the first contact period.

English Language Workshop in Surat

A three day workshop for teachers of English was organized in Sanjivani Primary School, Damka, Hazira (Surat) for English teachers of classes 1-8 by VBERC with support from Hazira LNG and Port Companies. The workshop was attended by more than 40 teachers from 5-6 schools in and around Hazira. The resource person was Dr. A. L. Khanna(Retired), Reader In English, University of Delhi. The workshop focused on Nature of Language, English pronunciation and Teaching of Grammar.

Training of Bihar teachers

VBERC, Patna and Udaipur team, together, conducted pedagogical training for 30 teachers, in each district, in the three districts of Bihar. The training oriented teachers to look at learning as developing skills that establishes connecters with the logic of the subject knowledge.

ODL Training

VBERC conducted six day Open Distance Learning training for teacher's trainers in Bihar in October. Government school teachers without any formal teachers training participated in the training. VBERC and SCERT Bihar, faculty conducted this training at Patna.

Strengthening the School Library

Twenty-five school libraries have now become functional due to an initiative taken by the project. These school libraries were almost in the state of non-existence before the project started working on reviving them. The project established them step-by-step. Initially there was lots of resistance from the schools for various reasons.

Work with Bihar SCERT

Vidya Bhawan Bihar team, including senior faculty from Udaipur, worked with DIET on writing of Open Distance Learning (ODL) material in all the papers. The ODL course is for training of untrained government school teachers across the state. The team along with the state team planned and conducted training of the state ODL team for training of a district resource group. The team started working with a state group in the district for training of a district group in November.

Frontier in Cell and Molecular biology

A two day lecture workshop on 'Frontiers in cell and molecular biology' organized by Indian National Science Academy, Vidya Bhawan Society and India bioscience. Workshop introduced undergraduate students from the region to some great minds from various countries including the Nobel laureate Martin Chalfie. While the interaction was aimed at students, senior faculty members from different universities also availed of this

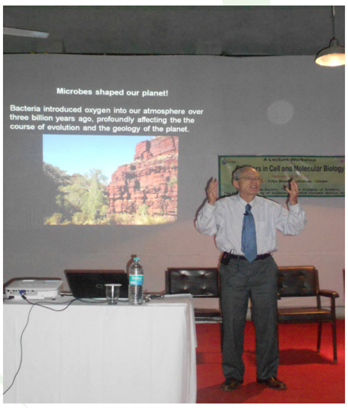

unique and rare opportunity to hear speakers talk about the decreasing boundaries between various science disciplines, Science and Career Opportunities in 21st Century, Evolution of Human Cognition, 'Cells on the move: What is happening inside', genomics, Green Fluoroscent Proteins and how it brought a revolution in biotechnology researches and many more. It was an exciting way of getting an idea about how scientists work and innovation occurs in the field of science.

Four years of Quest Project

The Quest project, completed 4 years in 2013. This year project now partnering 90 schools. A team of 30 facilitators visits these schools twice a week and provide academic support to teachers to plan their class in a child centered manner. In May-June Project successfully implemented forty-five day long summer learning camps in 12 different basties. These camps focused on working on maths, language and arts with the children. The camps benefited over 600 children. Project developed and provided workbooks for all 85 primary schools of basties for both the subjects, Hindi and Maths. Conducted a district level SSA training on CCE and also organized a one day workshop for Hindi and Maths teachers.

V.B. Institute of Local Self Govt. & Responsible Citizenship

Rs. 500 Fine on Water Wastage

Ward Sabha meetings were held at the initiative of the institute in the Gram Panchayats of Badgaon and Gogunda. Presence of Ward members, especially women, has been quite encouraging. Proposals have been sent to the GPs. Total 27 Ward Sabhas were held in the selected 24 Gram Panchayats of Badgaon and Gogunda blocks in past six months.

Ward Sabha at Gram Panchayat Bhutala, passed a proposal to levy a fine of Rs.500 against wastage of water in their bhagal. Increasing awareness towards safe drinking water and health was seen in Ward Sabha of Ward 10, 11 of Kadmal Gram Panchayat. Women said that they will pay bill if safe drinking water is supplied to their village. 73 ward members attended the meeting. Two brilliant students, namely Savita and Mohani, got their long due Tablet PC because of the efforts of the elected representatives of Panchayati Raj. During ward sabha at Gram Panchayat Modi, the problem regarding opening of account of the students eligible for Tablet PCs was raised. Up-Sarpanch had taken up the responsibility to help the students in opening of accounts.

Capacity Enhancement for Representatives

Seven residential trainings for capacity enhancement of elected representatives benefitting 163 ERs were organized. During the past six months 12 orientation programmes of 2 days' duration for 119 women of 15 SHGs were held.

Strengthening Gram Panchayats and Gram Sabhas

The Panchayat Mitras have attended 79 Gram Panchayat meetings during the past six months. As a result of their persuasion to attend and participate, the ER's attendance at Gram Panchayat meetings has improved. Active participation of ERs at these meetings has been observed. Similarly, The Panchayat Mitras attended 49 Gram Sabha meetings in both the blocks in past six months.

Activating Standing Committees

The Institute took initiative to mobilize the elected representatives to hold regular meetings of their respective Standing Committees. Five meetings of Standing Committees on Education of Gram Panchayat Bhutala, Losing Kadia (2 meetings) and Rama were held in past six months.

Monitoring of village level institutions

By Institute's efforts 47 and 43 students were enrolled in schools and in anganwadis respectively. 340 out of 1065 irregular children and 262 out of 561 irregular children became regular in school and anganwadi centers respectively. 221 Children and 64 pregnant women were vaccinated in both the blocks.

Networking with NGOs

One day meeting was organized in November with members of Sewa Mandir, FES, Astha, Sangam, Jandaksha and VBKVK for better networking. Resource Services provided by the Institute at 3 SMC orientation programmes organized at Hayla (Visma),

Bhutala and Kumbhalgarh. Total 118 members of 18 SMCs attended the trainings.

Panchayat Melas and Mahila Sammelans:

10 Panchayat Melas and Mahila Sammelans were organised in the past six months. Total 555 elected representatives were participated in Melas.

Publications

News Letters Panchayat Pariwar (2 issues) and Mahila Shakti (2 issues), one poster re-print (Right to Education) and Book on "Social Justice & Empowerment- Role of Panchayat" were published.

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

eukjtu ,o f'k{k.k e rkyey

बच्चे अपने अभिभावक अथवा शिक्षकों के साथ चिड़ियाघर, जैव उद्यान भ्रमण पर जाते हैं। इस तरह के भ्रमण के दौरान मनोरंजन एवं शिक्षण में तालमेल नहीं बैठ पाता। लेकिन यह काम विद्या भवन का प्रकृति साधना केन्द्र बखूबी निभा रहा है। केन्द्र पर इस तरह की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं कि बच्चा आनंद लेते हुए प्रकृति की बारीकियों को समझे। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने, वनस्पतियों, पेड़–पौधों व जीव–जन्तुओं के स्वभाव व उनके अन्तर्सम्बन्धों को समझने के लिए केन्द्र पर शैक्षिक कैंप आयोजित किए गए तथा वन विभाग के सहयोग से विश्व जैव विविधता एवं विश्व पर्यावरण दिवस मनाए गए। इन गतिविधियों में बेसिक स्कूल के 45, ऐश्वर्या कॉलेज (एस.टी. सी.) के 25, विद्या भवन पॉलीटेक्निक के 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजकीय विद्यालयों के 45 वरिष्ठ अध्यापकों के एक दल ने भी यहां शैक्षिक अनुभव प्राप्त किए।

fo|kFkh tkuxs frrfy;k d fØ;kdyki

प्रकृति साधना केन्द्र के प्रति शहर के विद्यालयों के बढ़ते शैक्षिक रूझान को देखते हुए यहां कुछ अन्य गतिविधियां आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। इस क्रम में बटर फ्लाई को जानने, उनके क्रियाकलाप व आदतों को समझने के लिए बटरफ्लाई पार्क विकसित किया गया है। इसमें कृषि विश्वविद्यालय के कीट विशेषज्ञ प्रो. स्वामीनाथन ने मार्गदर्शन दिया।

[kxkyh; v/;;u gr VfyLdki

अब केन्द्र पर आयोजित शिविरों में विद्यार्थी रात्रि में खगोलीय घटनाओं का भी अध्ययन कर सकेंगे। इस संबंध में सुखाड़िया विश्वविद्यालय भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. निसार जाफरी ने 1.5 इंच का टेलिस्कोप प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र पर आकाश अवलोकन एवं उससे संबंधित वार्ताएं आयोजित की जाती हैं।

V.B. Krishi Vigyan Kendra

On Farm Trials Conducted

One OFT (On Farm Trials) was conducted. Through that 10 farmers and farm women were benefited. Varietal trial of onion Problem diagnosed. Ram lal lives in village Jhamuda Ghata block Sarada having small land holding of 0.4 ha of poor quality and productivity is also poor using Deshi variety of Cerea & Pulses seed variety gives 1.4 qt. per 0.2 ha. He took training in VBKVK and used new variety PU-31 of Black Gram and the suggested package of practices. Ram lal was happy by getting the yields of 1.75 qt. per 0.2 ha. He got Progressive Farmer Award by Agriculture Minister of Rajasthan Govt.

Training for extension personnel

Training for extension personnel was organized on latest technology for productivity enhancement in field crops in which 19 extension personnel participated. Similarly training of veterinary doctor of Animal Husbandry Department of State government was organized on estrus synchronization in animals and was highly appreciated by ICAR and State Govt.

वि. भ. मानव संसाधन एवं विधि विभाग

depkfj;k d oru e 10 Qhlnh dh c<krjh

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष ने कर्मचारियों के वेतन में 10 फीसदी बढ़ोतरी के आदेश दिए हैं। वेतन ढांचे में सुधार हेतु प्रो. अरुण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था। वेतन समिति की अनुशंसा पर शैक्षणिक कर्मचारियों को 15 दिवस का ग्रीष्मावकाश भी स्वीकृत किया गया है। एक अन्य आदेश में व्यवस्था सचिव ने वार्षिक कार्यान्वयन रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न संस्थाओं के 218 कर्मचारियों को 5 प्रतिशत की दर से वेतन वृद्धि दी है। इसी तरह, परीविक्षा पर नियुक्त कर्मचारियों के वार्षिक कार्य आकलन पर 5 प्रतिशत की दर से वार्षिक वृद्धि दी गई है।

{kerk lo)u lfefr dk xBu

राज्य सरकार द्वारा ग्रान्ट इन एड समाप्त करने तथा कार्यरत स्टाफ के सरकार में समायोजन के पश्चात् आई रिक्तता की पूर्ति नवीन सदस्यों के आगमन के साथ हुई। नवीन सदस्य विद्या भवन के विजन व मिशन को तथा संस्था के प्रति अपनी भूमिका को समझें व उनकी क्षमता संवर्द्धन के अवसर उपलब्ध

हो सकें इस संदर्भ में विद्या भवन शैक्षिक सलाह समिति का गठन किया गया। समिति में सभी संस्थाओं से कार्यकर्ताओं को जोड़ा गया और इन्डक्शन ट्रेनिंग की रूपरेखा बनाई। समिति की पहल पर छह माह में 4 कार्यशालाएं की गईं जिसमें 240 शैक्षिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

fo|k Hkou ds iz;kl esa gekjh Hkwfedk

प्रतिभागियों ने दो दिवसीय इन्डक्शन ट्रेनिंग में सोसायटी अध्यक्ष के उद्‌बोधन के पश्चात् विद्या भवन की विकास यात्रा पर लघु फिल्में 'सतत् प्रयास' व 'पब्लिक स्कूल्स ऑफ इण्डिया' देखीं और प्रतिभागियों के समक्ष प्रश्न जैसे– शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन के लक्ष्य व विद्या भवन के सतत् प्रयास कितने प्रासंगिक व प्रभावी हैं, इस सतत् प्रयास में हमारी भूमिका व तब से अब तक परिवर्तन, जुड़ाव, कमी आदि रखे गए। अगले सत्र में पुराने सदस्यों ने विद्या भवन के अनुभव सुनाए। विद्या भवन के शैक्षिक दर्शन एवं समाज निर्माण के संदर्भ में चर्चा हुई। दूसरे दिन सोसायटी के प्रशासनिक ढांचे व कार्यप्रणाली को समझाया तथा प्रतिभागियों को विद्या भवन के प्रति स्वयं का दृष्टिकोण व संस्था में भागीदारी पर टास्क देकर समूह कार्य एवं चर्चा करवाई गई।

f'k{kk ij lk>k le> cukbZ

विद्या भवन के शैक्षिक स्टाफ में शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा व चिंतन द्वारा एक साझा समझ बनाने के उद्‌देश्य से मई में क्षमता संवर्द्धन पर व्यापक कार्यशाला हुई। विभिन्न सत्रों में अच्छी कक्षा, अच्छी संस्था के मायने, राष्ट्रीय दस्तावेजों पर चर्चा, विद्यालय का संवैधानिक मूल्यों से सम्बन्ध, बच्चे भाषा कैसे सीखते हैं, गतिविधि आधारित शिक्षण, गणित व विज्ञान विषय की प्रकृति आदि पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने पैनल चर्चा, समूह चर्चा व प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपनी समझ को सबके साथ बांटा।

iBu o ys[ku ls tqM+s igyqvksa dks le>k

विद्या भवन की सभी शाखाओं के संस्था प्रधानों ने शैक्षिक सलाह समिति की बैठक में यह अनुभव किया कि शैक्षिक स्टाफ में निरंतर समझ के साथ पढ़ने की आदत विकसित करने तथा अपनी बात को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की दिशा में क्षमता संवर्द्धन की आवश्यकता है। इसी उद्‌देश्य को ध्यान में रखते हुए जून में पठन व लेखन पर पांच दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों ने लेखन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास किया। कार्यशाला में मैसेज लिखना, नोट लिखना, एस.एम.एस., ई–मेल, फेसबुक, ब्लॉग लेखन, व्यक्ति परिचय, विद्यालय कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना, पत्र लेखन, सारांश लेखन, पुस्तक, लेख, फिल्म, कहानी, रिव्यू पर कार्य किया गया।

vaxzsth lh[kus dk iz;kl

पठन व लेखन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के फीडबैक में जुलाई से प्रत्येक माह के प्रथम एवं अंतिम शनिवार को कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस मासिक कार्यशाला में पढ़ने की शुरुआत अंग्रेजी की छोटी–छोटी कहानियों से की गई। कहानियों पर चर्चा व लेखन के पश्चात् अगली कार्यशालाओं में शिक्षा से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दों से सम्बन्धित शिक्षाविदों के लेख पढ़ने को देकर उन पर चर्चा करवाई गई।

u, l= esa 455 gqbZ lkslkbVh dh tu'kfDr

नए सत्र में सोसायटी की विभिन्न संस्थाओं में 18 शैक्षिक एवं 8 गैर शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्तियां की गईं। इसके साथ ही सोसायटी में जनशक्ति की संख्या 455 हो गई है। कर्मचारियों के चयन से पूर्व उनकी लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिए गए।

efgyk deZpkjh dk;ZLFky ij jgsxh lqjf{kr

महिला कर्मचारियों की कार्यस्थल पर यौन प्रताड़ना से सुरक्षा हेतु एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। समिति का गठन सेक्सुअल हारास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्क प्लेस एक्ट 2013 के तहत किया गया है। सोसायटी के कर्मचारियों में महिला सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर जागृति एवं जागरण के लिए मानव संसाधन एवं विधि विभाग कार्यशालाओं का आयोजन करवाएगा।

V.B. Accounts & Finance

Fees software launched in Sr. Sec. School

Fees software was launched in the Vidya Bhawan Sr. School Accounts from this academic session. This software is compatible with Tally Accounting Software. Also planning to purchase this software for Rural Institute and Polytechnic College.

Applicability of Service Tax examined

Applicability of Service Tax on Vidya Bhawan was examined, it applies on Building Rent and Technical Testing done at Polytechnic College. The working of calculating the liability of tax on these services is in process. It will take benefit by the Service Tax Department. The registration number has been issued to V.B. Society.

Monthly information system introduced

Accounts & Finance department asked for Estimated Income & Expenditure and some new formats have been introduced in last six months. The new formats

are Bank Reconciliation Statements, Statement of monitoring advances and honorarium. The further reports are envisaged Capital Expenditure Report and Project Monitoring Report.

Workshop on Accounts for Non Accounts Executive

A workshop on "Accounts for Non Accounts Executive" was organized in VBERC. All Heads of Institutions & their Accounts heads were present in this workshop. Presentations were given on some issues and deliberated. All participants took interest and raised questions which were clarified to their satisfaction.

Budget exercise started

Budget exercise for the year 2014-15 is started. This includes the revised budget estimates for the year 2013-14 as well as budget proposals for the year 2014-15.

,d iwoZ dk;ZdÙkkZ dk mn~xkj---

बड़ी प्रसन्नता है कि विद्या भवन का उचित विधि से संचालन हो रहा है। हमारी अभिलाषा है कि विद्या भवन का नाम राजस्थान में ही नहीं भारत में भी दिखायी पड़े। हम यह भी समझते हैं कि वहाँ कार्य पद्धति में कई तरह के रोड़े आ रहे होंगे। ऐसा लगता है कि विद्या भवन के पूर्व छात्र, कार्यकर्त्ता अपना विशेष दबाव बनाते हैं। मुझे विश्वास है इन सबको पार करते हुए संस्थान आगे जाएगा। डॉ. मोहन सिंह मेहता एक अच्छे प्रशासक थे उनकी विद्या भवन के प्रति एक गहरी सोच थी, मैंने कई बार उनको सुना, उनसे बात–चीत की। उस समय उनकी शारीरिक हालत काफी गिर गयी थी। उनकी सोच अलग तरह की थी।

His ideas were so clear, so powerful and transcendental that it seemed incredible that they could have emanated from the intellect of a mere human being. His personality was revelation to all, for it embodied and manifested a high degree of purity. When he spoke, he carried his audience to the supernal heights of consciousness, making them forget time, space and body consciousness.

Dr. Mohan Sinha Mehta's very form and every mood were those of tender sympathy. None knew him but to love him, those of us who have had the good fortune to meet him in the flesh will some day realize that we have seen a true incarnation of Vidya Bhawan.

My one friend from Vidya Bhawan wrote: Dr. M.S. Mehta rose to speak –phrases flowed forth without effort but every word brought a new significance to its meaning, he was living the thought he was expressing. As if the outer form were absorbing a light of intelligence powering from an infinite source, Dr. Mehta was a realm of consciousness unknown to me. I saw, as it were, a lack of consciousness in his words.

Mehta's concern was not only with the Vidya Bhawan boys selection, he also envisaged an all round growth of men and women the world over. He was interested in every phase of human activity and every department of knowledge. I think Dr. Mehta perceived the one reality manifesting in the many and producing a harmonious melody around.

Once on 21st Feb., 1981, Dr. Sahib said: Experience is the source of knowledge in the world, religion is the only science where there is no study, it is not taught as a Science of experience, this should not be. There is always a small group of men who teach religion from experience. They are called mystics, and mystics in every religion speak the same tongue and teach the same truth. This is the real Science of religion. Just as mathematics in every part of the world does not differ. They are similarly constituted and similarly situated. Their experience is the same and this becomes law.

With deep regards and high veneration.

28-10-2013

dyDVj flg jkBkSM+
वीपीओ–अहेरीपुर, जिला–इटावा, यू.पी. 206120

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004
Phone : 0294-2451497

To,

....

....

....

....

izdk'kd % fo|k Hkou f'k{kk lnHkZ dsUnz] Mk- eksgu flag esgrk ekxZ] fo-Hk- lkslk;Vh ifjlj] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2451497
eqnzd % pkS/kjh vkWQlsV] 11&12 xq# jkenkl dkWyksuh] ,e-ch- dkWyst ds lkeus] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2584071